भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3250

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

लद्दाख में अधिक ऊँचाई पर पाए जाने वाले औषधीय पादप

3250. श्री मोहम्मद हनीफ़ा

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने संज्ञान लिया है कि लद्दाख में सीबकथॉर्न, रोडियोला, आर्टेमिसिया और एकोनाइटम जैसे अधिक ऊंचाई पर उगने वाले औषधीय पादपों की खेती की बहुत संभावना है, परन्तु इनकी वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण और बाज़ार अभिगम अभी भी सीमित है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले पाँच वर्षों में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) और राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) के अंतर्गत लेह और करगिल में स्वीकृत की गई परियोजनाओं और स्वीकृत की गई, जारी की गई और उपयोग की गई निधि का ज़िलेवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने लद्दाख में औषधीय पादपों की खेती, प्रमाणन, प्रसंस्करण, परिवहन और बाज़ार अभिगम से जुड़ी व्यावसायिक संभावनाओं और चुनौतियों का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का लद्दाख में संधारणीय खेती का संवर्धन करने और स्थानीय रोज़गार सृजित करने के लिए प्रसंस्करण केंद्र, गुणवत्ता-जाँच प्रयोगशाला, एफपीओ और पक्के बाज़ार संपर्क स्थापित करने का विचार है और यदि हाँ, तो इसकी समय-सीमा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) जी, हाँ। सरकार ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि लद्दाख में उच्च हिमालयी औषधीय पादपों, जैसे सी-बकथॉर्न, रोडियोला, आर्टेमिसिया तथा अकोनाइटम के संवर्धन की पर्याप्त संभावनाएँ उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा देशभर में "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास एवं सतत प्रबंधन" संबंधी केंद्रीय क्षेत्र की योजना (सीएसएस) का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के लिए परियोजना-आधारित सहायता प्रदान करना है। औषधीय पादपों की आपूर्ति शृंखला में अग्र एवं पश्च संबंध (एकीकृत घटक) केंद्रीय क्षेत्र की योजना का एक घटक है, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियों के लिए सहायता प्रदान की जाती है:

- औषधीय पादपों की खेती हेतु गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री तैयार करने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री संबंधी अवसंरचना का विकास।
- किसानों को जागरूक करने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियों का संचालन।

- औषधीय पादपों की विपणन क्षमता बढ़ाने, उत्पाद का मूल्य संवर्धन करने, लाभप्रदता में वृद्धि करने तथा कटाई उपरांत होने वाली हानियों को कम करने के लिए कटाई उपरांत प्रबंधन एवं विपणन संबंधी अवसंरचना का विकास।
- कच्चे औषधीय पादप पदार्थों का गुणवत्ता परीक्षण एवं प्रमाणीकरण।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) ने औषधीय पादपों/जड़ी-बूटियों के संवर्द्धन एवं विपणन के लिए "ई-चरक" मोबाइल अनुप्रयोग तथा वेब पोर्टल प्रारंभ किया है। "ई-चरक" अनुप्रयोग विभिन्न स्थानीय भाषाओं का समर्थन करता है तथा लद्दाख सहित देशभर के 25 औषधीय पादप मंडियों से 100 औषधीय पादपों के पाक्षिक बाजार भाव भी उपलब्ध कराता है।

एनएमपीबी औषधीय पादपों की खेती/संग्रहण से जुड़े किसानों एवं संग्राहकों को बाजार संपर्क (मार्केट लिंकेज) उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करता है। इस उद्देश्य से प्रमुख कंपनियों की विस्तृत अपेक्षाएं (क्रय विभाग के संबंधित अधिकारी के संपर्क विवरण सहित) सभी राज्य कार्यान्वयन अभिकरणों तथा औषधीय पादपों की खेती को प्रोत्साहित करने वाले क्षेत्रीय-सह-सुविधा केंद्रों के साथ साझा की जाती है।

इसके अतिरिक्त, राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी), लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र ने क्षेत्र की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों तथा समृद्ध जैव विविधता के कारण उच्च हिमालयी औषधीय पादपों की अपार संभावनाओं को मान्यता दी है। इस संबंध में एसएमपीबी, संघ राज्य क्षेत्र, लद्दाख द्वारा औषधीय पादपों के वैज्ञानिक संवर्द्धन, संरक्षण एवं सतत उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ तथा क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की जाती हैं। साथ ही, संबंधित विभागों एवं अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से संरक्षण, जन-जागरूकता तथा मूल्य संवर्द्धन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

(ख) राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा गत पाँच वर्षों के दौरान लेह एवं कारगिल में स्वीकृत परियोजनाओं का जिला-वार विवरण, जिसमें स्वीकृत, जारी एवं उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा शामिल है, **संलग्नक** में दिया गया है।

आयुष मंत्रालय, देश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों के समग्र विकास एवं संवर्धन के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) नामक केंद्रीय प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन, लद्दाख के लेह एवं कारगिल सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से करता है। इस योजना के अंतर्गत, राष्ट्रीय आयुष मिशन के दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्ययोजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मिशन के अंतर्गत अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों का प्रावधान हैः

(i) आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, जिन्हें अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [एएएम (आयुष)] के रूप में पुनर्नामित किया गया है।
(ii) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) तथा जिला अस्पतालों (डी एच) में आयुष सुविधा केंद्रों का सह-स्थापन।
(iii) विद्यमान एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।
(iv) विद्यमान सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन, अथवा वर्तमान आयुष औषधालय (किराए के अथवा जर्जर भवन में संचालित) के लिए भवन का निर्माण, अथवा उन क्षेत्रों में नए आयुष औषधालयों की स्थापना हेतु भवन का निर्माण, जहाँ आयुष सुविधा केंद्र उपलब्ध नहीं हैं।
(v) अधिकतम 10/30/50 बिस्तर वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी आयुष औषधालयों तथा सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के आयुष अस्पतालों को आवश्यक औषधियों की आपूर्ति।

(vii) आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन।

(viii) उन राज्यों में, जहाँ सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है, नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना।

(ix) आयुष स्नातक संस्थानों तथा आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों/अतिरिक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों/फार्मेसी/ पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के अवसंरचनात्मक विकास हेतु सहायता।

इसके अतिरिक्त, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख सरकार से राज्य वार्षिक कार्ययोजनाओं के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य वार्षिक कार्ययोजनाओं के अंतर्गत अनुमोदित विभिन्न गतिविधियों/परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु 705.11 लाख रुपये की राशि जारी की है और उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार संघ राज्य क्षेत्र द्वारा 534.24 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया है। एनएएम के तहत जिला-वार निधियां जारी करने का कोई प्रावधान नहीं है।

(ग) संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी) द्वारा औषधीय पादप क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों तथा विद्यमान चुनौतियों का आकलन किया गया है। इन चुनौतियों के समाधान तथा औषधीय पादपों की सतत खेती एवं व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आरसीएफसी एनआर-II ने लद्दाख में कटाई उपरांत प्रसंस्करण तथा गुणवत्ता परीक्षण अवसंरचना की स्थापना हेतु निरंतर सहयोग प्रदान किया है, जिससे औषधीय पादपों की सतत खेती को बढ़ावा मिला है तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन हुआ है।

(घ) वर्तमान में आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा देशभर में "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास एवं सतत प्रबंधन" संबंधी केंद्रीय क्षेत्र की योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियों के लिए परियोजना-आधारित सहायता प्रदान की जाती है:

(i) संयुक्त वन प्रबंधन समितियों (जेएफएमसी) के साथ आजीविका सहबद्धता और वन क्षेत्रों/ग्राम पंचायतों/वन पंचायतों/जैव-विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी)/स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में आजीविका सृजन।

(ii) सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) संबंधी गतिविधियाँ, जैसे– प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन आदि।

(iii) अनुसंधान एवं विकास ।

(iv) औषधीय पादप उत्पादों के विपणन एवं व्यापार को प्रोत्साहन।

(v) औषधीय पादपों की आपूर्ति श्रृंखला में अग्र एवं पश्च संबंध को सुदृढ़ करना।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग देशभर में बागवानी के समग्र विकास हेतु एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) का कार्यान्वयन कर रहा है। एमआईडीएच के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए केवल सार्वजनिक क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

बागवानी संबंधी उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) एक विशिष्ट सुविधा केंद्र है, जिसकी स्थापना बागवानी पद्धतियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, उत्पादकता में वृद्धि करने तथा इस क्षेत्र के सतत विकास को

सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जाती है। ये केंद्र उन्नत अनुसंधान, प्रदर्शन तथा किसानों, उद्यमियों एवं बागवानी क्षेत्र के पेशेवरों के प्रशिक्षण के प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। उत्कृष्टता केंद्र बागवानी विकास की नवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। साथ ही, यह केंद्र संरक्षित खेती हेतु फलों एवं सब्जियों की गुणवत्तापूर्ण पौध एवं रोपण सामग्री उपलब्ध कराने के लिए स्रोत के रूप में कार्यरत है।

एमआईडीएच के अंतर्गत सी-बकथॉर्न के लिए निमू, लेह में 789.33 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित किया गया है। इस परियोजना का शुभारंभ वर्ष 2020-21 में किया गया तथा इसका कार्यान्वयन संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के बागवानी विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डीआईएचएआर), लेह के तकनीकी सहयोग से किया गया। इस केंद्र में वैज्ञानिक फलोद्यान, आदर्श नर्सरी, प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण सुविधाएँ, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई हैं और यहां किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), महिलाओं एवं उद्यमियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

यह केंद्र वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करने, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन, प्राथमिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन तथा किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), महिलाओं एवं उद्यमियों की क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, यह केंद्र पायलट स्तर पर प्रसंस्करण तकनीकों के प्रदर्शन, आदर्श उद्यानों एवं नर्सरियों की स्थापना, मानक कृषि कार्य-पद्धतियों के विकास तथा ज्ञान के हस्तांतरण के माध्यम से सी-बकथॉर्न मूल्य श्रंखला को सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान करता है।

*****

संलग्नक

गत पाँच वर्षों के दौरान आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास एवं सतत प्रबंधन" संबंधी केंद्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	वर्ष	परियोजना का शीर्षक	संगठन	स्वीकृत राशि (लाख रुपये में)	जारी की गई राशि (लाख रुपये में)	उपयोग की गई राशि (लाख रुपये में)
1.	2022-23	लद्दाख के औषधीय पादपों एवं वनस्पतियों की पहचान तथा संरक्षण पर राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन	जैव विविधता अनुसंधान केंद्र, कारगिल परिसर, लद्दाख विश्वविद्यालय	5.00	5.00	0.00
2.	2022-23	हिमालयी औषधीय पादप: वर्तमान स्थिति एवं भावी संभावनाएँ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी	वनस्पति विज्ञान विभाग, एलाइज़र जोल्डन मेमोरियल कॉलेज, लेह, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख	5.00	5.00	5.00
3.	2024-25	सीआईबीएस, चोगलामसर, लेह लद्दाख परिसर में हर्बल गार्डन की स्थापना	केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), चोगलामसर, लेह, लद्दाख -194101	1.35	0.75	-
4.	2024-25	लद्दाख के शीत मरुस्थलीय क्षेत्रों में प्राथमिकता प्राप्त औषधीय पादपों की संरक्षण स्थिति, जर्मप्लाज़्म संग्रहण एवं संसाधन संवर्धन	वैज्ञानिक प्रभारी, राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा अनुसंधान संस्थान (एनआरआईएसआर), लेह, लद्दाख	13.48	13.48	13.46
5.	2024-25	औषधीय पादपों के संरक्षण एवं प्रबंधन: ट्रांस-हिमालयी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	उच्च पर्वतीय शुष्क कृषि अनुसंधान संस्थान, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर	5.00	5.00	0.00

			एसकेयूएएसटी-के, स्तकना, लेह, लद्दाख			
6.	2025-26	लेह-लद्दाख के शीत मरुस्थलीय क्षेत्र में *रोडियोला इम्ब्रिकाटा* एडगिव. में विभिन्न उपायों द्वारा सैलिड्रोसाइड की मात्रा में वृद्धि : क्षेत्रीय एवं *इन विट्रो* उपागम	सोवा-रिग्पा संस्थान, लेह-लद्दाख (सह-आयोजक)	9.92	-	-
7.	2023-24 से 2025-26	न्यूक्लियस केंद्र के अनुरक्षण हेतु अनुदान	एसएमपीबी, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख	81.00	81.00	74.52